पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

शाहिद की 'ओ रोमियो' का पोस्टर हुआ आउट

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 258 ■ शनिवार 10 जनवरी 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe

दाल पकवान और वड़ा-पाव साथ है तो मनपा हमारे पास है- एकनाथ शिंदे

- कालानी के गठबंधन से शिवसेना हुई मजबूत- शिंदे
- सिंधी-मराठी का महागठबंधन होगा मनपा में - एकनाथ
- जो मैं बोलता हूं वो मैं करता हूं- एकनाथ
- गोल मैदान की भव्य सभा में उमड़े सैकड़ों लोग

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका के 15 जनवरी को होने वाले चुनाव को देखते हुए शुक्रवार शाम 7 बजे राज्य के उपमुख्यमंत्री व नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे की भव्य प्रचार सभा का आयोजन किया गया था। जहां उन्होंने मुख्य रूप से सिंधी-मराठी के महागठबंधन को मनपा में भेजने की अपील की। ज्ञात हो कि उल्हासनगर मनपा क्षेत्र में शिवसेना, टीओके, साई पक्ष, आरपीआय व पीआरपी का गठबंधन हुआ है। 78 सीटों के लिए शिवसेना के तीर कमान चिन्ह व साई पक्ष के टीवी चिन्ह पर उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आयो लाल झूलेलाल के उद्घोष के साथ सभा की शुरुवात की। सभा की शुरुवात में ही उन्होंने कहा कि यहां पर सिंधी और मराठी समाज की महायुति हुई है यह युति विकास और विश्वास की है और उल्हासनगर के विकास के लिए टीओके व साई पक्ष शिवसेना के साथ चुनाव लड़ रही है। उल्हासनगर में दाल पकवान और वडा पाव साथ साथ है जब यह दोनों साथ हैं तो महापालिका भी हमारे साथ ही है। उल्हासनगर की जनता भी शिवसेना महागठबंधन के साथ है। यहां सिंधी और मराठी समाज साथ-साथ विकास करेंगे।

श्री शिंदे ने अपने भाषण में आगे कहा कि मैंने मुख्यमंत्री के कार्यकाल में उल्हासनगर शहर में 1400 करोड़ विकास कार्य के लिए दिया है। उल्हासनगर शहर के लिए 496 करोड़ भुयारी गटर, 126 करोड़ पानी पुरवठा योजना हेतु दिए। नगरविकास विभाग की ओर से विकास फंड देने में कोई कमी होने नहीं देंगे। जो मैं बोलता हूं वो मैं करता हूं यह मेरा काम करने का तरीका है। उल्हासनगर शहर के लिए बहुत काम करने हैं वो करेंगे। श्री शिंदे ने शिवसेना व साई पक्ष के उम्मीदवारों को भारी मतों से जीताने की अपील की। धोखादायक इमारतों के पुनर्विकास करने की बात भी उन्होंने की।

भाजपाईयों का सेना में प्रवेश

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में कल भाजपा के पूर्व नगरसेवक डॉ. प्रकाश नाथानी, कमल पंजाबी, निलेश बोबडे, मंगल वाघे, भारत आहुजा, रवि वसीटा सहित कई कार्यकर्ता जिन्हें टिकट नहीं मिला उन्होंने शिवसेना में प्रवेश कर लिया।

पैनल 2 में अपनी सीट बचाने में लगे हैं शिवसेना नेता -प्रदीप रामचंदानी

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 2 में चुनाव प्रचार के लिए आए उल्हासनगर भाजपा चुनाव प्रमुख प्रदीप रामचंदानी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जो हमारे पूर्व नेता यह कहते थे कि भाजपा की उल्हासनगर-1 से 5 तक एक सीट भी नहीं आएगी आज वो ही नेता के खुद की सीट बचाने के लिए पसीने छूट रहे हैं। प्रदीप रामचंदानी ने शिवसेना नेता पर निशाना साधते हुए कहा कि जो उन्होंने निर्णय लिया है उनको उसका पश्चातावा होगा क्योंकि भाजपा के पास उनको हारकर वापस आना ही पड़ेगा। पैनल 2 में भाजपा की उम्मीदवार मीना कौर लबाना, एड. भरत शिवनानी, संध्या मराठे व हरि कनौजिया मैदान में है।

विकास के लिए पुराने मतभेद बुलाकर एक हुए -सुखरामानी

उल्हासनगर। पैनल 6 से शिवसेना उम्मीदवार महेश सुखरामानी ने कल उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की चुनाव सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शहर की खस्ता हालत को और हमारे कमजोर नेतृत्व को देखते हुए हमने शिवसेना में अपना विश्वास जताते हुए पक्ष में प्रवेश किया है। आज शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में शहर में कई विकास काम हुए और हो रहे हैं। कालानी परिवार व उनके सहयोगी से भी जो पुराने मतभेद थे वो सभी बुलाकर शहर विकास हेतु हम साथ हैं और इस चुनाव में जीत हासिल करेंगे। इस बार की जीत शहर विकास के लिए होगी। पैनल 6 से शिवसेना उम्मीदवार महेश सुखरामानी के साथ, प्रेरणा अजित माखीजानी, जया प्रकाश माखीजा व विक्की सिंह चुनावी मैदान में है। उनकी टक्कर भाजपा से है।

शिंदे की सभा में पुरस्वानी का ऐलान 3 वर्षों में शहर बदलेंगे

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा पैनल 2 के शिवसेना उम्मीदवार जमनू पुरस्वानी ने कल उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार ऐसा पहली बार हुआ है कि शिवसेना मनपा चुनाव में इतने बड़े पैमाने पर मैदान में उतरी है और उन्हें हर जगह पसंद भी किया जा रहा है। श्री पुरस्वानी ने कहा कि केंद्र से फंड लाना है तो हमारे सांसद श्रीकांत शिंदे और प्रदेश से फंड लाना है तो उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शहर विकास के लिए फंड देंगे। शहर में बहुमंजिला पार्किंग की जरूरत है, मुख्य चौराहों का विस्तारीकरण जरूरी है, सड़कों का निर्माण तीन वर्षों में, पानी का खुद का स्त्रोत, इमारतों का पूर्नविकास, यातायात की समस्या जैसे प्रमुख मुद्दे कुछ ही वर्षों में हम पुरा करेंगे। पैनल 2 से शिवसेना उम्मीदवार जमनू पुरस्वानी, अनुष्का गोपलानी, होशियार सिंह व सविता पारवानी मैदान में है।

अंबरनाथ राजनीति में आया बड़ा ट्विस्ट

- राकांपा ने भाजपा से समर्थन लिया वापस
- शिवसेना को दिया समर्थन, शिवसेना बहुमत में
- सदाशिव पाटिल बने किंग मेकर

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ की राजनीति पूरे राज्य में गूंज रही है. शुक्रवार को शहर की राजनीति में फिर से एक बड़ा ट्विस्ट आया है. राकांपा (अ.प.) पक्ष के चार नगरसेवकों ने भाजपा का समर्थन निकालकर शुक्रवार को अचानक शिवसेना को समर्थन करके गट स्थापना करके जिलाधिकारी को निवेदन दिया है. अब सिवसेना बहुमत में आ गई है और राकांपा के सदाशिव पाटिल सत्ता के किंग मेकर हो गए हैं. भाजपा की सारी बाजी पलट गई है. भाजपा के 14 कांग्रेस से निलंबित किए गए 12 एवं एक निर्दलीय नगरसेवक मिलाकर 27 नगरसेवक रह गए हैं. भाजपा का गट अल्पमत में आ गया है, तो दूसरी तरफ राकांपा के चार नगरसेवक सदाशिव पाटिल, सचिन पाटिल, पूनम शेलार और सुनिता पाटिल द्वारा शिवसेना के 27 एवं एक निर्दलीय को समर्थन देने से उनकी संख्या 32 हो गई है. बहुमत के लिए 30 नगरसेवक चाहिए जो पहले भाजपा के पास था. अब शिवसेना के पास हो गया है. शिवसेना गट का उपनगराध्यक्ष एवं विषय समिति के सभापति पर कब्जा जमाना आसान हो गया है. भाजपा की नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले पाटिल को जनता ने चुनकर दिया है. वह अपने पद पर कायम है. भाजपा कांग्रेस (अपक्ष) के 12 नगरसेवक गुरुवार रात में एक अज्ञात स्थान पर चले गए हैं ताकि उन्हें कोई खरीद ना सके. लेकिन राकांपा के 4 नगरसेवकों पर भाजपा कंट्रोल नहीं कर सकी. उन्होंने शहर की राजनीति को एकदम पलट कर रख दिया है. सबसे बड़ा नुकसान प्रदीप पाटिल एवं उनके नगरसेवकों को हुआ है. कांग्रेस पक्ष से निकाल दिए गए और अब उप नगराध्यक्ष एवं विषय समिति का सभापति पद भी हाथ से गया. उनके एक नगरसेवक कबीर गायकवाड़ भी किसको समर्थन देंगे ये तो आने वाला समय ही बताएगा.

पैनल 17 में एक बार फिर गंगोत्री चौका मारेंगे

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 17 में रोड मैन से प्रसिद्ध राकांपा उम्मीदवार भारत राजवानी गंगोत्री जिन्होंने विशेष फंड से यहां रोड बनाए उन्हीं रास्तों की बदौलत उनको जनता का स्नेह प्राप्त है। इसी विश्वास के साथ आज एक बार फिर गंगोत्री इस पैनल में चौका मारकर यह चुनाव रण जीतेंगे ऐसा स्थानीय वार्डवासी माखीजा का कहना है। रास्तों की दशा मनपा ने खुदाई कर खराब की और उन्हीं रास्तों को एक बार फिर चुनाव के बाद बनाने का निश्चय गंगोत्री ने लिया है। उद्यानों को नूतनीकरण, सड़कों का विस्तारीकरण जो विरोधियों के हस्तक्षेप से अधर में लटका हुआ है उसे भी वो जल्द ही पूरा करेंगे। प्रशासन ने भी विकास कार्यों में जो रोडा डाला है उसे पूरा करने का वादा गंगोत्री ने किया है। पैनल 17 में राकांपा उम्मीदवार भारत गंगोत्री, कमलेश सिरसाठ, रिंकी धामेजानी व सोनिया थदानी चुनाव मैदान में है। उन्हें भाजपा के उम्मीदवार टक्कर दे रहे हैं।

तीन पैनलों में साई पक्ष का जोर

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा चुनाव में साई पक्ष ने शिवसेना के साथ गठबंधन कर अपने 11 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। जहां उनकी टक्कर प्रमुख रूप से भाजपा व राकांपा से हो रही है। पैनल 11 में साई पक्ष प्रमुख जीवन इदनानी के साथ किरण सिंह, इंदिरा उदासी और डॉ. हरेश उदासी चुनावी मैदान में है तो वहीं पैनल 16 में साई पक्ष से राजा गेमनानी, दीप्ति दुधानी, ज्योति चैनानी व अगीचा चुनावी मैदान में है। साथ ही पैनल 5 में सुनिल गंगवानी, जयश्री थावानी तथा पैनल 9 में आशा जीवन इदनानी चुनावी मैदान में है। इन सभी पैनलों में साई पक्ष का जोरदार प्रचार चल रहा है। यहां पर लोगों को उन्हें भरपूर समर्थन मिल रहा है। यह शिवसेना समर्थित उम्मीदवार को जीताने की अपील कल उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी चुनावी प्रचार में की।

पैनल 19 में भाजपा की अधिकृत उम्मीदवार कोमल दिनेश लहरानी का प्रचार जोरों पर

उल्हासनगर। पैनल 19 में भाजपा की अधिकृत उम्मीदवार कोमल दिनेश लहरानी जिनका चुनाव चिन्ह बैट्समैन है उनका भाजपा प्रत्याशियों के साथ चुनाव प्रचार जोरों पर चल रहा है।

श्रीमती लहरानी ने कहा कि बैट्समैन का वोट भाजपा के ही खाते में जाएगा। तकनीकी कारणों के कारण उन्हें बैट्समैन चिन्ह मिला है। समाजसेवी दिनेश लहरानी ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें भारी समर्थन मिल रहा है। पैनल में परिवर्तन की जरूरत है क्योंकि पैनल 19 की हालत बहुत ही खस्ता हो चुकी है। उनके सामने शिवसेना के उम्मीदवार मैदान में है।

पैनल 9 के शिवसेना उम्मीदवार आकाश सुमित चक्रवर्ती को मिला उपमुख्यमंत्री का आर्शीवाद

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 9 में शिवसेना के युवा उम्मीदवार आकाश सुमित चक्रवर्ती ने कल उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की चुनावी प्रचार सभा में उनसे जीत का आर्शीवाद लिया। उद्योगपति सुमित चक्रवर्ती के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व सांसद श्रीकांत शिंदे से बहुत ही अच्छे व पुराने संबंध हैं। युवा सुशिक्षित सेना उम्मीदवार आकाश चक्रवर्ती के समर्थन में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता चुनावी सभा में आए हुए थे। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि कई लाडकी बहनें और युवा चुनावी मैदान में है उन्हें जीताने की जिम्मेदार आम जनता की है। वही मिलकर शहर का विकास आगामी समय में करेंगे। पैनल 9 में शिवसेना के युवा उम्मीदवार आकाश सुमित चक्रवर्ती, डिंपल कुमारी, कविता लासी चुनावी मैदान में है।

निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए काम करें

ठाणे. आने वाले ठाणे के आम चुनावों के बैकग्राउंड में, मुख्य चुनाव अधिकारी पी. वेलरासु और चुनाव अधिकारी समीक्षा चंद्राकर ने ठाणे मनपा में चुनाव के काम का डिटेल में रिव्यू किया। इस रिव्यू मीटिंग के दौरान चुनाव से जुड़े सभी ज़रूरी मुद्दों जैसे मतदाता सूची, पोलिंग स्टेशन की तैयारी, EVM और स्ट्रांग रूम की सिक्योरिटी, चुनाव स्टाफ की नियुक्ति, ट्रेनिंग, पोस्टल मतदान, मॉडल कोड ऑफ़ कंडक्ट का पालन आदि पर डिटेल में चर्चा की गई। काउंटिंग प्रोसेस में प्लानिंग, मैनपावर और ट्रांसपोर्ट इंतज़ाम का भी रिव्यू किया गया।

इस बार पैनल-2 में परिवर्तन होगा- नीतेश चैनानी

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 2 में डोर टू डोर प्रचार करने वाले युवा शिक्षित राकांपा उम्मीदवार नीतेश कुमार चैनानी ने कहा कि वार्ड की हालत देखते हुए स्थानीय लोगों ने यहां पर परिवर्तन करने की ठानी है क्योंकि उन्हें अब पुराने नेताओं पर विश्वास नहीं रहा जिन्होंने वार्ड की यह हालत की है। ऐसे नेताओं को अब सबक सिखाने के लिए राकांपा की घड़ी उनका समय बदलेगी। जिन्होंने वार्ड का विकास न करते हुए खुद का विकास किया है ऐसे दशकों पुराने नेता अब युवा उन्हें घर बिठाएंगे। भाजपा व शिवेसना के उम्मीदवार इस युवा उम्मीदवार को टक्कर दिए हुए हैं।

पैनल 12 में भाजपा की लहर

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 12 में भाजपा उम्मीदवार टोनी सीरवानी, ज्योति पिंटो बठिजा, कैलाश म्हात्रे व राखी कजानिया को हर वर्ग व हर समाज से चुनाव प्रचार के दौरान समर्थन मिल रहा है। श्री सीरवानी ने कहा कि पिछले 15 वर्षों से आम जनता ने हमारा काम देखा है और आगे भी यही काम जारी रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी की लहर जो हमेशा देखने को मिलती है वही लहर इस पैनल 12 में भी आपको देखने को मिलेगी।

पैनल 3 में राजेंद्र सिंह भुल्लर की भव्य सभा

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा पैनल 3 में शिवसेना उम्मीदवार राजेंद्र सिंह भुल्लर महाराज, चरणजीत कौर, संगीता खंडारे और वंदना भदाणे के समर्थन में राजीव गांधी नगर में भव्य सभा का आयोजन किया गया था। इस सभा में श्री भुल्लर महाराज ने कहा कि स्थानीय स्तर की समस्याओं से मैं वाकिफ हूं और नागरिकों की जो अपेक्षा और सुझाव है वो भी मेरे पास मौजूद है। चुनाव के बाद इसका हल निकाला जाएगा। इस भव्य सभा में सैकड़ों की संख्या में लाडकी बहनों की उपस्थिति देखी गई। सभा में शिवसेना उम्मीदवारों को मौजूदा सभा में अपना पूरा समर्थन देने का ऐलान किया।

पैनल 11 में भाजपा उम्मीदवार प्रवीण किशनानी को मिला हर वर्ग का समर्थन

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 11 से भाजपा उम्मीदवार प्रवीण गोधू किशनानी को सिंधी समाज के साथ मराठी, उत्तर भारतीय व सिख समाज का भरपूर समर्थन मिल रहा है। यहां हर वर्ग के मतदाता रहते हैं और चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें हर वर्ग का समर्थन इसलिए भी प्राप्त है क्योंकि वो उनके हर त्याहौर व कार्यक्रम में सहभागी होते हैं। पैनल 11 में हमेशा से ही किशनानी परिवार समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय रहा है। इस बार भाजपा उम्मीदवार प्रवीण किशनानी के साथ रवि जग्यासी, कविता पंजाबी व प्रीति माखीजा मैदान में है। उनकी साई पक्ष से सीधी टक्कर है।

पैनल 5 में शिंदे की कालानी के समर्थन में सभा

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 5 जिसे आयलानी का गढ़ माना जाता है वहां पर पप्पू कालानी की बेटी सीमा कालानी व विक्की सिंह भुल्लर के समर्थन में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की भव्य सभा में उन्हें जीताने की अपील की गई। नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि जहां यह सभा हो रही है वहां पर पानी और इमारतों के पुनर्विकास की समस्या से निजात दिलाएंगे।

पैनल 8 में चुनाव प्रचार के लिए सांसद रवि किशन शहर में

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 8 में भाजपा उम्मीदवार राजेश वधरिया के समर्थन में आज भोजपुरी फिल्मों के सुपर स्टार व गोरखपुर से सांसद रवि किशन आज 10 जनवरी को दोपहर 1 बजे शास्त्री नगर में उत्तर भारतीय समाज को संबोधित करने आए रहे हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया ने शहर की जनता से अपील की है कि भाजपा उम्मीदवारों को शहर में अपना समर्थन देकर सभा में उपस्थित हो।

पैनल 6 से राजेश वधरिया की बहु आयशा वधरिया भी चुनाव मैदान में है। उन्हें जीताने की अपील भी वधरिया ने की है। दोनों पैनलों में शिवसेना से उनकी टक्कर है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

SIR पर बढ़ता विवाद

नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन को नोटिस भेजे जाने पर पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआइआर) की प्रक्रिया एक बार फिर विवादों में है। गौरतलब है कि इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना था। आरोप लग रहे हैं कि इसमें मतदाताओं को ही उलझा दिया गया है।

अब न तो मानवीय संवेदना का ध्यान रखा जा रहा है और न ही मर्यादा का। यहां तक कि प्रशासनिक जवाबदेही तक नजर नहीं आती। कुछ समय पहले एसआइआर से संबंधित सुनवाई के लिए बीमार और बुजुर्ग मतदाताओं को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने के लिए कहा गया। जब इसकी शिकायत होने लगी, तो जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि बुजुर्ग, बीमार और दिव्यांग मतदाताओं को सुनवाई के लिए न बुलाया जाए और उनके आवास पर ही सत्यापन किया जाए।

मतदाता सूची को दुरुस्त करने के दौरान जो प्रक्रिया अपनाई गई उससे मतदाताओं को खासी परेशानी हुई। यह सिलसिला थमा ही था कि अब चुनाव आयोग ने अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन को नोटिस जारी कर दिया। कहा गया कि सेन की ओर से प्रस्तुत प्रपत्र में विसंगतियां पाई गई हैं। आयोग का तर्क है कि उनके और उनकी माता अमिता सेन की उम्र में 15 साल से भी कम अंतर है- ऐसा कैसे संभव है।

सवाल यह है कि पर्यवेक्षण के दौरान भरे गए उनके प्रपत्र में आखिर किस स्तर पर गलती हुई। पश्चिम बंगाल में वर्ष 2002 की मतदाता सूची को आधार बनाया गया है। उस सूची में अमिता सेन की उम्र 88 वर्ष दर्ज है। इस बार की मसविदा सूची में अमर्त्य सेन की उम्र 92 वर्ष लिखी गई है। आशय यह कि वे 2002 में 69 साल के थे। इस नाते उनकी और उनकी मां की उम्र में 19 साल का फर्क है। सवाल यह है कि 2002 की सूची से इतर आंकड़ा किस स्तर पर प्रपत्र में भरा गया? अमेरिका में रह रहे अमर्त्य सेन को शांति निकेतन स्थित उनके आवास पर नोटिस भेजा गया है। उन्हें अब अपनी मां से संबंधित दस्तावेज पेश करने होंगे, ताकि मतदाता सूची में उनका नाम बरकरार रह सके। अगर वैश्विक पहचान रखने वाले अमर्त्य सेन के साथ इस तरह का व्यवहार किया जाएगा, तो फिर आम मतदाताओं की कौन सुनेगा?

विचार : बंगाल का बदलता राजनीतिक माहौल

पश्चिम बंगाल का राजनीतिक तापमान चरम बिंदु पर पहुंचता दिख रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोलकाता स्थित राजनीतिक परामर्श से जुड़ी फर्म आइपैक के दफ्तर में मनी लांड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे को मुद्दा बनाकर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। ममता का कहना है कि भाजपा ईडी के जरिये तृणमूल कांग्रेस के आइटी प्रमुख के घर पर छापा डालकर पार्टी का आंतरिक डाटा जब्त करने का प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में हाल में गृहमंत्री अमित शाह का तीन दिवसीय बंगाल दौरा भाजपा के लिए चुनावी दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा।

उन्होंने पत्रकार वार्ता के माध्यम से पार्टी के मुद्दे स्पष्ट किए, सांसदों, विधायकों और प्रमुख नेताओं के साथ बैठक की तथा कार्यकर्ताओं से संवाद किया। अमित शाह ने प्रधानमंत्री मोदी की तरह बंगाल में भी सरकार बनाने का संदेश देते हुए कहा कि भय, भ्रष्टाचार, कुशासन और घुसपैठ की राजनीति के स्थान पर विकास, विरासत और गरीब कल्याण की मजबूत सरकार बनाने का संकल्प बंगाल की जनता में दिखाई देता है।

कांग्रेस की शुरुआत बंगाल से हुई थी, लेकिन आज वहां वह शून्य पर है और 34 वर्षों तक शासन करने वाला वाममोर्चा भी पिछले विधानसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत सका। इसके विपरीत भाजपा 41 प्रतिशत मतों और 77 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भले ही 2019 की तुलना में भाजपा की सीटें घटी हों, लेकिन

39 प्रतिशत मत और 12 सीटें यह दर्शाती हैं कि तृणमूल कांग्रेस के समानांतर उसका एक ठोस जनाधार विकसित हो चुका है। ऐसे में यदि भाजपा इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने का दावा कर रही है तो उसे केवल अतिशयोक्ति कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। हालांकि 2021 में भी भाजपा इसी तरह आत्मविश्वास के साथ चुनाव लड़ी, लेकिन तृणमूल कांग्रेस से काफी पीछे रह गई थी।

बंगाल में 2021 के मुकाबले आज राजनीतिक माहौल काफी बदल चुका है। पड़ोसी देश बांग्लादेश की घटनाओं का प्रभाव पूरे देश पर पड़ा है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण बंगाल पर असर और अधिक है। बंगाल में लगभग 30 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता तथा भाजपा-विरोधी वामपंथी सोच रखने वाले मतदाताओं का बड़ा वर्ग तृणमूल कांग्रेस की शक्ति रहा है। सामान्यतः माना जाता है कि या तो मुस्लिम मतों में गहरा विभाजन हो या हिंदू मतों का व्यापक ध्रुवीकरण भाजपा के पक्ष में हो, तभी वहां सत्ता परिवर्तन संभव है। सरकार के विरुद्ध आक्रामक रुख अपनाने वाली तृणमूल बांग्लादेश में विशेषकर हिंदुओं के विरुद्ध हुई हिंसा पर न तो तीखे बयान दे रही है और न ही कोई बड़ा विरोध-प्रदर्शन कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के बाहर पकड़े गए घुसपैठियों के पास 24 परगना क्षेत्र के आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र मिलने से प्रमाणित हुआ है कि वाममोर्चा और फिर ममता सरकार के दौरान बांग्लादेश से घुसपैठ हुई है।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के दौरान भी कई घुसपैठिये यह कहते पाए गए कि वे लंबे समय से यहां रह रहे हैं और उनके पास पहचान पत्र हैं। उन्होंने मतदान करने की बात भी स्वीकार की। यह स्थिति 2021 में नहीं थी। इसके बावजूद ममता बनर्जी का इस तथ्य से इन्कार करना और गृह मंत्री अमित शाह से यह प्रश्न करना कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला क्या आपने करवाया, केवल भाजपा के कट्टर विरोधियों को ही स्वीकार्य हो सकता है। सब जानते हैं कि जम्मू-कश्मीर की स्थिति पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से जुड़ी है और पहलगाम हमला उसी का हिस्सा था।

बंगाल की सीमा पर सख्त घेराबंदी कर घुसपैठ को रोका जा सकता है। अमित शाह ने भी कहा है कि ऐसी घेराबंदी की जाएगी कि एक भी घुसपैठिया प्रवेश न कर सके। मुस्लिम मतों को एकजुट रखने के प्रयास में ममता वही कदम उठाती दिख रही हैं, जिनका वे वामपंथी शासन के दौरान विरोध करती रही थीं। बांग्लादेश में गैर-मुस्लिमों, विशेषकर हिंदुओं के विरुद्ध हुई हिंसा और बढ़ते कट्टरवाद ने हिंदू मतदाताओं को नए सिरे से सोचने पर मजबूर किया है।

अपने जीवन को प्रेम की मधुर धुन बनाइए!

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

मजबूत जीडीपी वृद्धि, लेकिन विकास अभी बाकी

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नए आंकड़ों से स्पष्ट है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.4 फीसद की वृद्धि होने की उम्मीद है, जिसमें विनिर्माण, सेवाएं और सरकारी व्यय वृद्धि को गति मिलेगी। जाहिर है, इसका असर नौकरी, महंगाई, आमदनी, कर्ज, कर और सरकारी सुविधाओं पर पड़ेगा। ग्रामीण इलाकों में कृषि से जुड़े रोजगार में बढ़ोतरी हो सकती है। सात फीसद या उससे अधिक दर का मतलब यही है। दूसरी ओर, तेज जीडीपी से मांग बढ़ती है, जिससे यदा-कदा महंगाई का दबाव बनता है।

अगर विकास दर संतुलित रहे तो आपूर्ति बढ़ने से महंगाई काबू में रहती है। कहा जा सकता है कि आम आदमी के लिए बहुत तेज विकास दर का मतलब महंगाई का खतरा होता है, वहीं इसकी धीमी रफ्तार से आमदनी प्रभावित होती है। लिहाजा, मध्यम और स्थिर विकास आंकड़ा सबसे अच्छा माना जाता है।

कर संग्रह और राजकोषीय घाटे पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। व्यापक अर्थव्यवस्था और आगामी केंद्रीय बजट दोनों के दृष्टिकोण से यह अच्छी बात है। जीडीपी दर के समांतर महंगाई काबू में रहे तो केंद्रीय रिजर्व बैंक ब्याज दरें घटा सकता है, जिसका सीधा असर कर्ज की किस्त पर पड़ सकता है।

साथ ही, सरकार को मिलने वाला कर राजस्व बढ़ सकता है, जिससे ढांचागत और समाज कल्याण की योजनाओं पर खर्च बढ़ाया जा सकता है। शेयर बाजार में तेजी से म्यूचुअल फंड, भविष्य निधि आदि पर सकारात्मक असर हो सकता है। जीडीपी की दर 2024-25 में 6.5 फीसद की तुलना में अधिक है, और यह मुख्य रूप से विनिर्माण और सेवाओं में वृद्धि के सुधार का नतीजा है।

दूसरी ओर, नवीनतम आंकड़ों को लेकर चर्चा में कई पहलुओं की अनदेखी हो रही है। कुछ महीने बाद आने वाले जीडीपी के अनंतिम आंकड़े उनसे प्रभावित दिखेंगे। जीडीपी के आंकड़ों में अवैतनिक श्रम (जैसे घरेलू काम), पर्यावरणीय क्षति, आय असमानता और गैर-बाजार लेनदेन (जैसे स्वयंसेवा) जैसे महत्त्वपूर्ण पहलुओं को नहीं गिना जाता। जीडीपी देश की औसत आय बताता है, लेकिन यह नहीं दिखाता कि धन का वितरण कितना असमान है।

उच्च जीडीपी के बावजूद समाज के एक बड़े हिस्से का जीवन स्तर निम्न हो सकता है। यह उन वस्तुओं और सेवाओं (जैसे निजी खपत के लिए उत्पादित वस्तुएं, स्वयंसेवा) को शामिल नहीं करता जिनका बाजार में लेन-देन नहीं होता, और उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार को नहीं दर्शाता। आपदाओं या खराब परिस्थितियों से बचने के लिए किया गया खर्च (जैसे प्रदूषण मास्क खरीदना, मरम्मत कार्य) भी जीडीपी बढ़ाता है, जबकि यह असल में समाज के कल्याण में कमी को दर्शाता है।

ऐसे में जीडीपी के आंकड़ों को सतत विकास का संकेतक नहीं माना जाता। यह भविष्य की पीढ़ियों पर पड़ने वाले प्रभावों को ध्यान में नहीं रखता। बावजूद इन तर्कों के, जीडीपी के आंकड़ों से उम्मीद तो बढ़ी है। जरूरत इस बात की है कि अर्थव्यवस्था की ठोस मजबूती के लिए उन पहलुओं पर भी गौर किया जाए, जिनकी अनदेखी हो रही है।

जरा हट के

इकलौता गांव, जहां 60 साल से पैदा हो रहे हैं सिर्फ 'बौने'

दुनियाभर में कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनका रहस्य आज तक अनसुलझा है. इन्ही में से एक है चीन के शिचुआन प्रांत का एक सुदूर और छोटा सा गांव 'यांग्सी' (Yangsi), जिसे आज पूरी दुनिया 'सबसे शापित गांव' या 'बौनों का गांव' के नाम से जानती है. सुनकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि यहां पिछले छह दशकों से कुदरत का एक ऐसा खौफनाक करिश्मा जारी है, जिसने शोधकर्ताओं की रातों की नींद उड़ा दी है.

इस गांव की सबसे अजीब बात यह है कि यहां रहने वाली 50 प्रतिशत से अधिक आबादी का कद मात्र 2 से 3 फीट के बीच सिमट कर रह गया है. रिपोर्ट्स के अनुसार, साल 1951 के बाद से इस गांव में बच्चों के शारीरिक विकास पर जैसे किसी ने रोक लगा दिया हो. जो बच्चे जन्म के समय पूरी तरह सामान्य, स्वस्थ और खिलखिलाते हुए पैदा होते हैं, वे जैसे ही 5 से 7 साल की

उम्र के पड़ाव पर पहुंचते हैं, उनकी लंबाई बढ़ना अचानक बंद हो जाती है. हाल ही में एक डॉक्यूमेंट्री रिपोर्ट में एक्सपर्ट्स ने दावा किया है कि उन्होंने यहां की मिट्टी, पानी, हवा और यहां तक कि स्थानीय स्तर पर उगाए जाने वाले अनाज के हर एक कण की दोबारा गहन जांच की है, लेकिन कद छोटा रह जाने का कोई भी ठोस, तार्किक या चिकित्सकीय कारण सामने नहीं आ सका. कुछ स्थानीय बुजुर्ग और ग्रामीण इसे दशकों पुराना एक खौफनाक 'श्राप' मानते हैं. लोक कथाओं के अनुसार, पूर्वजों को गलत नक्षत्रों में दफनाने या किसी दिव्य शक्ति के क्रोध के कारण गांव पर यह विपत्ति आई है. वहीं, दूसरी ओर कुछ इतिहासकार इसे दशकों पहले युद्ध के दौरान जापान द्वारा छोड़ी गई किसी जहरीली गैस या रासायनिक प्रयोग का दुष्प्रभाव बताते हैं, जिसने शायद यहां के लोगों के डीएनए के साथ छेड़छाड़ कर दी हो. 1950 के दशक के आसपास इस इलाके में एक रहस्यमयी बीमारी फैली थी, जिसके बाद से नई पीढ़ी का कद बढ़ना लगभग रुक गया. विशेषज्ञों ने इस सामूहिक बौनेपन को 'स्टंटेड ग्रोथ' का नाम तो दिया, लेकिन यह रहस्य आज भी कायम है कि यह समस्या सिर्फ इसी गांव की सरहदों के भीतर ही क्यों कैद है.

वेज राइस कटलेट

हम सबके घरों में अक्सर चावल बच जाते हैं और समझ नहीं आता कि इनका क्या करें। बचे हुए चावल को अक्सर लोग फेंक देते हैं या फिर किसी सब्जी के साथ दोबारा गर्म करके खा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन्हीं बची हुई चावल से आप बेहद टेस्टी और क्रंची कटलेट बना सकते हैं? जी हां, ये कटलेट न सिर्फ शाम की चाय के साथ परफेक्ट स्नैक हैं, बल्कि बच्चों के टिफिन या अचानक आए मेहमानों के लिए भी बढ़िया ऑप्शन हैं।

सामग्री

- बचे हुए चावल- 2 कप
- आलू- 2 (उबले और मैश किए हुए)
- गाजर- 1 (कद्दूकस की हुई)
- हरी मटर- ½ कप (उबली हुई)
- प्याज- 1 (बारीक कटा हुआ)
- हरी मिर्च- 2 (कटी हुई)
- धनिया पत्ती- 2 टेबलस्पून
- अदरक-लहसुन पेस्ट- 1 टीस्पून
- लाल मिर्च पाउडर- ½ टीस्पून
- धनिया पाउडर- ½ टीस्पून
- नमक- स्वादानुसार
- ब्रेड क्रम्ब्स- 1 कप
- तेल- तलने के लिए

बनाने की विधि

सबसे पहले चावल को हल्का मैश कर लें। उसमें उबले आलू, गाजर, मटर, प्याज, हरी मिर्च और धनिया पत्ती डालकर अच्छी तरह मिक्स करें।

अब इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट, मसाले और नमक डालें। मिक्सचर को अच्छे से गूंथ लें, जिससे टिक्की का शेप दिया जा सके।

कटलेट को ब्रेड क्रम्ब्स में लपेटें। पैन में तेल गरम करें और कटलेट को गोल्डन ब्राउन होने तक डीप फ्राई या शैलो फ्राई करें।

गरमा-गरम हरी चटनी या टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।यह बेसिक कटलेट बच्चों और बड़ों सभी को पसंद आएगा।

सोते समय पैरों में महसूस होती है ये चीज?

डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है, जो अक्सर शरीर के कई हिस्सों पर धीरे-धीरे असर डालती है, और पैरों में दिखाई देने वाले लक्षण इसके शुरुआती संकेत हो सकते हैं। पैरों तक खून पहुंचने में समय लगता है, इसलिए डायबिटीज के कारण नसों और ब्लड वेसल्स पर असर सबसे पहले पैरों में दिखाई देता है। कई लोग पैरों में असामान्य बदलाव को हल्के में ले लेते हैं, जबकि ये गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की ओर इशारा कर सकते हैं। पैरों में नजर आने वाले इन लक्षणों को पहचानना और समय पर इलाज कराना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं इनके बारे में-

सावधान, यह सामान्य थकान नहीं, डायबिटीज की दस्तक है

■ पैरों में सुन्नपन या झुनझुनी

डायबिटीज के कारण नसों में नुकसान होने लगता है, जिसे न्यूरोपैथी कहते हैं। इसके परिणामस्वरूप पैरों में सुन्नपन, झुनझुनी या तड़कन जैसी संकेत महसूस होती हैं। यह संकेत है कि नसें सही तरीके से काम नहीं कर रही हैं। शुरुआती दौर में यह हल्का हो सकता है, लेकिन समय के साथ बढ़ सकता है।

■ पैरों में जलन या चुभन

अक्सर लोग इसे थकान या साधारण दर्द समझ लेते हैं, लेकिन लगातार जलन या चुभन डायबिटीज का पहला लक्षण हो सकता है। यह विशेषकर रात में या सोते समय ज्यादा महसूस होता है और नींद में खलल डाल सकता है।

■ घाव या कट जल्दी न भरना

डायबिटीज में शरीर की हीलिंग प्रोसेस धीमी हो जाती है। इससे छोटे-छोटे घाव या कट भी लंबे समय तक ठीक नहीं होते। समय पर इलाज न मिलने पर ये घाव इन्फेक्शन का कारण बन सकते हैं और गंभीर रूप ले सकते हैं।

■ पैरों में सूखापन और दरारें

डायबिटीज के मरीजों में त्वचा में नमी की कमी हो जाती है। इसके कारण पैरों में सूखापन और दरारें उत्पन्न होती हैं। सूखी और फटी त्वचा इन्फेक्शन के लिए उपयुक्त स्थान बन जाती है।

■ पैरों की त्वचा के रंग में बदलाव

पैरों की स्किन का फीका या लाल हो जाना, और नाखूनों का मोटा या पीला होना डायबिटीज का संकेत हो सकता है। ये बदलाव अक्सर खराब ब्लड सर्कुलेशन और फंगल इन्फेक्शन की वजह से होते हैं।

■ बार-बार इन्फेक्शन या फंगल इन्फेक्शन होना

डायबिटीज में कमजोर इम्यून सिस्टम के कारण छोटे घाव बार-बार संक्रमित हो सकते हैं। पैरों में बार-बार होने वाले फंगल इंफेक्शन, जैसे फूट फंगल या नाखून में इन्फेक्शन ध्यान देने योग्य संकेत हैं।

■ पैरों में कमजोरी या चलने में कठिनाई

अगर पैरों में कमजोरी महसूस हो या चलने में परेशानी हो, तो यह नसों और मांसपेशियों के प्रभावित होने का संकेत हो सकता है। धीरे-धीरे मांसपेशियों की ताकत कम हो सकती है और संतुलन में भी समस्या आ सकती है।

इन लक्षणों को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। समय पर इलाज न मिलने पर पैरों में गंभीर इन्फेक्शन, अल्सर, और यहां तक कि अंग कटने की कंडीशन भी पैदा हो सकती है। इसलिए यदि पैरों में ये असामान्य लक्षण दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और ब्लड शुगर की जांच कराएं।

आज का राशिफल

मेष : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

वृषभ : विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनहानि की आशंका है। व्यापार-व्यवसाय में धीमापन रह सकता है। आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा।

मिथुन : मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी दूसरे व्यक्ति के काम में हस्तक्षेप न करें। विवाद होगा।

कर्क : आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। प्रमाद न करें।

सिंह : रुके हुए कार्य पूरे होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

कन्या : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। आय में कमी होगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। बेकार बातों पर बिलकुल ध्यान न दें।

तुला : यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक : कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके कार्यों में गति आएगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। प्रमाद न करें। कार्यभार व अधिकार में वृद्धि हो सकती है।

धनु : अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। पार्टनरों तथा भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें। प्रमाद न करें।

मकर : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी से बचें। आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी।

कुंभ : कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें।

मीन : भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

नॉर्मल BMI के झांसे में न आएं!

■ अब 'वेस्ट-टू-हाइट रेशियो' बताएगा सेहत की असली सच्चाई

क्या आपको लगता है कि बीएमआई (BMI) सामान्य होने का मतलब है कि आप मोटापे के खतरे से बाहर हैं? अगर आप या आपके घर के बुजुर्ग ऐसा सोचते हैं, तो सावधान हो जाएं। एक नए शोध ने खुलासा किया है कि मोटापे को मापने का यह सबसे आम तरीका बुजुर्गों को धोखे में रख सकता है। शोध के मुताबिक, उम्रदराज लोगों में सेहत का सही हाल जानने के लिए बीएमआई नहीं, बल्कि 'वेस्ट-टू-हाइट रेशियो' कहीं ज्यादा सटीक और भरोसेमंद पैमाना है।

■ क्यों बेहतर है वेस्ट-टू-हाइट रेशियो?

बीएमआई (BMI) की सबसे बड़ी कमी यह है कि यह शरीर में फैट के वितरण को सही से नहीं बता पाता। इसके उलट, 'वेस्ट-टू-हाइट रेशियो' पेट के आसपास जमा फैट को बेहतर ढंग से मापता है। पेट की चर्बी का सीधा असर शरीर के जरूरी अंगों और हमारी समग्र सेहत पर पड़ता है। इसलिए, यह अनुपात बुजुर्गों की सेहत का हाल बताने में

ज्यादा सक्षम है।

■ क्या कहता है शोध?

यह महत्वपूर्ण जानकारी ब्रिटेन की शेफील्ड और नॉटिंघम यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च में सामने आई है। शोधकर्ताओं ने 'हेल्थ सर्वे फॉर इंग्लैंड' के डेटा का उपयोग करते हुए साल 2005 से 2021 के बीच मोटापे के रुझानों (ट्रेंड्स) का बारीकी से विश्लेषण किया। डॉ. लारा ग्रे और डॉ. मैग्डेलेना ओपाजो ब्रेटन ने पाया कि मोटापे के ये ट्रेंड मुख्य रूप से बढ़ती उम्र, आसपास के वातावरण और पीढ़ियों में आए अंतर के कारण थे।

■ बीएमआई कैसे कर सकता है गुमराह?

डॉ. लारा ग्रे ने बीएमआई की सीमाओं को समझाते हुए कहा कि यह पैमाना खासकर बूढ़े लोगों को गुमराह कर सकता है। उम्र बढ़ने के साथ अक्सर लोगों का 'मसल मास' कम हो जाता है। ऐसे में बीएमआई की रीडिंग सामान्य आ सकती है, जिससे बुजुर्गों को यह गलतफहमी हो सकती है कि उन्हें मोटापे का कोई खतरा नहीं है, जबकि वास्तव में वे जोखिम में हो सकते हैं।

■ समय पर देखभाल संभव

शोधकर्ताओं का मानना है कि अगर स्क्रीनिंग टूल के तौर पर 'वेस्ट-टू-हाइट रेशियो' का ज्यादा इस्तेमाल किया जाए, तो जोखिम वाले बुजुर्गों की पहचान समय रहते की जा सकती है। यह न केवल बीमारी को पकड़ने में मदद करेगा, बल्कि उन्हें समय पर सही देखभाल उपलब्ध कराने में भी मददगार साबित होगा।

कहीं आप भी तो नहीं खा रहे मैदा मिला आटा?

■ इन तरीकों से करें असली-नकली की पहचान

हाथ से मसलकर देखें

असली और नकली आटे की पहचान करने के लिए इसे हाथ से मसलकर जरूर देखें। बता दें कि शुद्ध गेहूं का आटा हाथ में लेने पर हल्का खुरदुरा लगता है। अगर आटा बहुत ज्यादा सॉफ्ट या सफेद नजर आए, तो उसमें मैदा मिला हो सकता है।

सूंघकर चेक करें

शुद्ध आटे में गेहूं की हल्की और मीठी खुशबू होती है। अगर आपको आटे में तेज या केमिकल जैसी अजीब सी गंध आए, तो समझ जाएं कि उसमें मिलावट है। वहीं, असली आटा ताजगी से भरा लगता है।

पानी में डालकर टेस्ट करें

आटे का टेस्ट आप पानी के जरिए भी कर सकते हैं। इसके लिए एक गिलास पानी में थोड़ा सा आटा डालें। अगर आटा नीचे बैठ जाए और पानी साफ रहे, तो आटा शुद्ध है। लेकिन अगर पानी तुरंत रंग बदल दे, तो उसमें मिलावट हो सकता है।

रोटी बनाकर परखें

असली आटे की रोटी नरम रहती है और ठंडी होने पर भी ज्यादा सख्त नहीं होती। वहीं, नकली या मिलावटी आटे की रोटी जल्दी सूख जाती है और टूटने लगती है।

रंग से करें पहचान

आटा खरीदते खरीदते समय उसके रंग पर भी ध्यान दें। असली गेहूं का आटा हल्के क्रीम या पीले रंग का होता है। बहुत ज्यादा सफेद आटा इस बात का संकेत हो सकता है कि उसमें मैदा मिला हुआ है।

चोकर की मात्रा देखें

अगर आप गेहूं का आटा खरीदते हैं, तो उसमें चोकर ज्यादा निकलता है। वहीं, यदि आटे में आपको चोकर नजर नहीं आ रहा है, तो समझ जाएं कि आटे के साथ मैदा मिला हुआ है। बता दें कि आटे में चोकर जरूर होना चाहिए, क्योंकि यह फाइबर का बेहतरीन स्त्रोत होता है।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

दलित महिला की हत्या पर 5 घंटे से चल रहा हंगामा

मेरठ. यूपी के मेरठ के कपसाड़ गांव में दलित महिला की हत्या और बेटी के अपहरण के मामले के विरोध में शुक्रवार को पांच घंटे बीत जाने के बाद भी स्थिति में कोई खास बदलाव नहीं आ सका है। मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा जारी है। पीड़ित परिजन आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, उनके घरों पर बुलडोजर चलाने और कड़ी कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं। परिजनों का कहना है कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं की जातीं, तब तक वे सुनीता का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। अधिकारी उन्हें समझा रहे है, लेकिन वे उनकी किसी बात की मानने के लिए राजी नहीं है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद है। वहीं सपा की महिला नेता ने एसपी को चूड़ियां सौंपकर विरोध जताया है।

रिटायर्ड इंजीनियर की मिली सड़ी-गली लाश

कानपुर. कानपुर से जाजमऊ के आदर्श नगर में रहने वाले सिंचाई विभाग के पूर्व इंजीनियर का शव गुरुवार को कमरे में सड़ी-गली हालत में मिला। कमरे में शराब की बोतलें भी पड़ी थीं। करीब 15 दिन से संपर्क न होने पर उनके भाई-बहन घर पहुंचे थे। दुर्गंध आने पर पुलिस को सूचना दी तो बेड पर शव पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। मृतक की पत्नी इनकम टैक्स विभाग से रिटायर हैं और करीब दो साल से दोनों बेटियों के साथ वाराणसी में मायके में रह रही हैं। आदर्श नगर के रहने वाले 62 वर्षीय अमरकांत घोष सिंचाई विभाग से जेई पद से रिटायर हुए थे।

हिंदू कॉलेज में एक और वारदात, छात्र पर पेट्रोल डालकर लगाई आग, हालत गंभीर

मुरादाबाद. मुरादाबाद में कोतवाली क्षेत्र के हिंदू कॉलेज में गुरुवार दोपहर बीकॉम तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा देकर कमरे से बाहर निकले छात्र फरहाद अली पर एक अन्य छात्र आरुष उर्फ अनुराग ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी। कॉलेज कैंपस में दिनदहाड़े हुई इस घटना से वहां अफरातफरी मच गई। झुलसे छात्र को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के हरथला निवासी ई-रिक्शा चालक नवाब अली का बड़ा बेटा फरहाद अली(21 वर्ष) कॉलेज के कमरा नंबर 51 में पेपर देने के बाद अपने दोस्तों के साथ बाहर निकल रहा था। आरोप है कि रास्ते में मिले बीए के छात्र आरुष ने अचानक उस पर पेट्रोल डाला और लाइटर जला दिया।

7 बच्चों की मां की हत्या कर गड्ढे में दफनाया शव, 8 महीने बाद खुला राज

कानपुर. यूपी के कानपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक महिला की फिल्म दृश्यम की तरह हत्या कर दी गई। दरअसल, महिला की हत्या कर उसका शव जमीन में दफना दिया गया। मामले का खुलासा होने पर पुलिस ने हत्यारोपी और उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित गोरेलाल ने बताया कि महिला के संबंध एक किसी और से हो गए थे। इसके अलावा वह उम्र में भी 12 साल बढ़ी थी। इसके अलावा उसके पहले से ही 7 बच्चे थे। इसी वजह से पीछा छुड़ाने के लिए उसकी हत्या कर तीन फीट के गड्ढे में शव दफना दिया। ये मामला सतेजी थाना क्षेत्र के टिकवांपुर गांव का है। यहां रहने वाले रामबाबू शंखवार को कैंसर था, पांच साल पहले उसकी मौत हो गई थी। पति की मौत के बाद पत्नी रेशमा सात बच्चों को छोड़कर पड़ोसी गोरेलाल शंखवार के साथ रहने लगी थी। अप्रैल में वह गोरेलाल के साथ इटावा गेहूं कटाई करने गई थी, लेकिन वहां से लौटने के बाद किसी को नहीं मिली। इसके कुछ महीने बाद 29 नवंबर को एक शादी समारोह में महिला के बेटे बबलू ने प्रेमी से मां के बारे में पूछा तो उसने कहा कि अब वह कभी लौटकर नहीं आएगी।

नेहरू की गलतियां स्वीकार करना जरूरी -शशि थरूर

लेकिन हर समस्या के लिए उन्हें अकेले दोषी ठहराना गलत, मोदी सरकार उनकी विरोधी

नई दिल्ली. कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि नेहरू की गलतियों को स्वीकार करना जरूरी है, लेकिन देश की हर समस्या के लिए उन्हें अकेले दोषी ठहराना पूरी तरह गलत और अनुचित है।

थरूर ने कहा- मैं यह नहीं कहूंगा कि मोदी सरकार लोकतंत्र-विरोधी है, लेकिन वे निश्चित रूप से नेहरू-विरोधी हैं। नेहरू को एक सुविधाजनक बलि का बकरा बना दिया गया है।

उन्होंने कहा कि मैं भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के विचारों और दृष्टिकोण की गहरी प्रशंसा करता हूं, लेकिन नेहरू की

हर मान्यता और नीति का बिना आलोचना समर्थन नहीं कर सकता।

थरूर गुरुवार को केरल विधानसभा अंतरराष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव (KLIBF) के चौथे संस्करण में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि नेहरू भारतीय लोकतंत्र के संस्थापक थे। उन्होंने इसे मजबूती से स्थापित किया।

अपने लेखक जीवन की चर्चा करते हुए थरूर ने कहा कि बचपन में अस्थमा की बीमारी के कारण उनका झुकाव किताबों की ओर हुआ। उस समय न तो टेलीविजन था और न ही मोबाइल फोन, इसलिए किताबें ही उनकी सबसे करीबी साथी बन गईं।

उन्होंने बताया कि उनका पहला उपन्यास बहुत कम उम्र में लिखा गया था, लेकिन स्याही गिरने के कारण वह नष्ट हो गया। श्री नारायना गुरू की जीवनी उनकी 28वीं पुस्तक है। दुनिया के कई हिस्सों में पढ़ने की आदत घट रही है, लेकिन केरल आज भी पढ़ने की संस्कृति में अग्रणी बना हुआ है।

उन्होंने बताया कि 1989 में The Great Indian Novel इसलिए लिखा क्योंकि उस समय भारत में व्यंग्य विधा लगभग न के बराबर थी। युवा पीढ़ी को संबोधित करते हुए थरूर ने कहा कि आज के दौर में कम पन्नों वाली छोटी किताबें ज्यादा प्रभावी हो सकती हैं, क्योंकि लोगों के पास पढ़ने के लिए समय कम होता जा रहा है।

कुत्तों से जुड़े नियम मौजूद कोर्ट दखल न दे -सिंघवी

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों के मामले में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत से इस मामले में दखल न देने की अपील की।

ACGS (All Creatures Great and Small) नाम की संस्था की तरफ से दलील दे रहे सिंघवी ने कहा कि इस विषय पर कानून और नियम पहले से मौजूद हैं। ऐसे में अदालत का हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। जब संसद जानबूझकर दखल नहीं दे रही है तो वहां अदालत को भी नहीं जाना चाहिए। सिंघवी ने आगे कहा कि एमीकस क्यूरी (अदालत के सलाहकार) अच्छे तो होते हैं लेकिन वे कानून के सलाहकार होते हैं। किसी सब्जेक्ट के एक्सपर्ट नहीं। ऐसे मामलों में डोमेन एक्सपर्ट्स (जैसे पशु, पर्यावरण या स्वास्थ्य विशेषज्ञ) को भी शामिल

किया जाना चाहिए। उन्होंने अरावली केस का उदाहरण दिया, जहां पहले बनी समिति में ज्यादातर अफसर थे एक्सपर्ट नहीं। इसी वजह से उस फैसले पर दोबारा विचार करना पड़ा। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर 2025 को अरावली पहाड़ियों को लेकर फैसला सुनाया था। उसके अनुसार 100 मीटर से ऊपर की ऊंचाई वाली पहाड़ियों को ही 'अरावली हिल्स' माना जाना था। 29 दिसंबर 2025 को कोर्ट ने अपने फैसले पर रोक लगाते हुए कहा कि पहले एक्सपर्ट राय जरूरी है।

अब सिर्फ ऑटोमोबाइल कंपनियां ही स्लीपर बस बनाएंगी -गडकरी

पिछले 6 महीने में आग लगने की 6 बड़ी घटनाओं में 145 लोगों की जान गई

नई दिल्ली. केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि अब स्लीपर बसों का निर्माण केवल ऑटोमोबाइल कंपनियां या सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान ही कर सकेंगे। गुरुवार को उन्होंने कहा कि मौजूदा स्लीपर बसों को भी नए सुरक्षा मानकों के साथ अपडेट करना होगा। ये फैसला स्लीपर कोच बसों में लगातार बढ़ती आग की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए लिया गया है।

गडकरी ने बताया कि पहले से चल रही स्लीपर कोच बसों में फायर डिटेक्शन सिस्टम, आपातकालीन निकास (हैमर सहित), इमरजेंसी लाइटिंग और ड्राइवर ड्रोजीनेस (नींद आने की चेतावनी) इंडिकेटर लगाना अनिवार्य होगा।

उन्होंने कहा कि बीते 6 महीनों में स्लीपर कोच बसों से जुड़े आग लगने के 6 बड़े हादसे सामने आए हैं, जिनमें 145 लोगों की जान गई।

बस बॉडी कोड AIS-052 एक अनिवार्य मानक

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत का बस बॉडी कोड AIS-052 एक अनिवार्य मानक है, जो देश में बनने वाली सभी बस बॉडी के लिए सुरक्षा, संरचना और डिजाइन से जुड़े मानक तय करता है।

इस कोड को पहले से असंगठित रहे बस बॉडी-बिल्डिंग सेक्टर को कंट्रोल करने, यात्रियों और चालकों की सुरक्षा बढ़ाने और बस कोच प्रोडक्शन में समानता लाने के लिए लागू किया गया था।

गडकरी ने कहा कि मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवेज ने संशोधित बस बॉडी कोड को 1 सितंबर 2025 से लागू कर दिया है, ताकि सड़क परिवहन में सुरक्षा मानकों को और सख्त किया जा सके।

राजकोट में 12 घंटे में 7 भूकंप

- **2.7 से 3.8 के बीच रही तीव्रता; स्कूलों में छुट्टी की गई**

राजकोट. गुजरात के राजकोट में पिछले 24 घंटे में भूकंप के 7 झटके महसूस किए गए। झटके हल्के थे जिससे किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक इन झटकों की तीव्रता 2.7 से 3.8 के बीच दर्ज की गई। एहतियात के तौर पर आसपास के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है।

अधिकारियों ने बताया कि भूकंप का केंद्र उपलेटा से 28 किमी दूर दर्ज किया गया। बार बार आ रहे झटकों से लोगों में बड़ें भूकंप का डर बैठ गया है।

शुक्रवार सुबह 6 बार आया भूकंप

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह 6 बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। पहला झटका सुबह 6:19 बजे, दूसरा झटका 6:55 बजे और तीसरा 6:58 पर आया।

टाइमलाइन

- **पहला झटका:** 8 जनवरी को रात 8:43 पर
- **दूसरा झटका:** 9 जनवरी को सुबह 6:19 पर
- **तीसरा झटका:** 9 जनवरी को सुबह 6:55 पर
- **चौथा झटका:** 9 जनवरी को सुबह 6:58 पर
- **पांचवां झटका:** 9 जनवरी को सुबह 7:10 पर
- **छठवां झटका:** 9 जनवरी को सुबह 7:13 पर
- **सातवां झटका:** 9 जनवरी को सुबह 7:33 पर

इसी तरह सुबह 7:10 पर पांचवां, 7:13 पर छठवां और 7:33 पर सातवां भूकंप आया। सुबह 6:19 बजे आए भूकंप की तीव्रता 3.8 मैग्नीट्यूड थी। वहीं गुरुवार रात 8:43 बजे भी झटका महसूस किया गया था।

BIS ने कहा था- 75% आबादी खतरनाक क्षेत्र में रह रही

भारत सरकार की संस्था ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (BIS) ने जनवरी 2025 में देश का नया भूकंप डेंजर मैप जारी किया था। नए नक्शे के मुताबिक भारत की 75% आबादी अब भूकंप के 'खतरनाक क्षेत्र' में रह रही है, और हिमालयन रेंज को पूरी तरह अल्ट्रा-हाई रिस्क जोन (जोन VI) में रखा गया है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि हिमालय के नीचे वाली टेक्टोनिक प्लेट्स 200 साल से हिली तक नहीं हैं, यानी वहां भारी तनाव जमा है और किसी भी समय बहुत शक्तिशाली भूकंप आ सकता है।

ED रेड के खिलाफ ममता का मार्च

- **दिल्ली में TMC सांसदों को 2 घंटे की हिरासत;**
- **कोलकाता हाईकोर्ट में हंगामें के कारण सुनवाई टली**

नई दिल्ली. पश्चिम बंगाल में TMC के IT सेल के चीफ के ठिकानों पर ईडी रेड के विरोध में TMC दिल्ली से लेकर कोलकाता तक विरोध प्रदर्शन कर रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोलकाता में मार्च निकाल रही हैं। इस दौरान उनके साथ पार्टी नेताओं के साथ हजारों कार्यकर्ता भी शामिल हुए हैं।

इससे पहले शुक्रवार सुबह

पार्टी के 8 सांसदों ने दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन किया। डेरेक ओ ब्रॉयन, महुआ मोइत्रा, कीर्ति आजाद नारेबाजी करते नजर आए। सांसदों ने, बंगाल में मोदी-शाह की गंदी चालें नहीं चलेंगी के नारे लगाए। दिल्ली पुलिस ने सांसदों को हटाने की कोशिश की।

इस दौरान धक्कामुक्की हुई, कुछ सांसद गिर भी गए। पुलिस ने सांसदों को सुबह 10 बजे हिरासत में लिया और दोपहर 12 बजे छोड़ा। महुआ ने कहा- देखिए चुने गए सांसदों के साथ कैसा व्यवहार किया जा रहा है।

इस कार्रवाई के बाद ममता बनर्जी ने X पर लिखा- मैं हमारे सांसदों के साथ किए गए शर्मनाक बर्ताव की कड़ी निंदा करता हूं। गृह मंत्री के ऑफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन करने के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए चुने हुए प्रतिनिधियों को सड़कों पर घसीटना कानून लागू करना नहीं है - यह वर्दी में घमंड है।

सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी मामले में मुख्य पुजारी गिरफ्तार

सबरीमाला मंदिर से सोने के गहनों के चोरी होने के मामले में बड़ा ऐक्शन सामने आया है। इस मामले की जांच कर रही एसआईटी ने मंदिर के मुख्य पुजारी कंदारारु राजीवरु को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सहयोग के लिए पहले एसआईटी ने उनसे पूछताछ की उसके बाद उनकी गिरफ्तारी कर ली गई।

पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि सुबह के करीब एसआईटी ने राजीवरू को पूछताछ के लिए अपने साथ बुलाया था। इसके बाद एक अज्ञात स्थान पर उनके साथ पूछताछ की गई और फिर दोपहर के समय उनकी औपचारिक रूप से गिरफ्तारी कर ली गई।

क्यों इतनी कंफ्यूज है अमेरिका की विदेश नीति

- **3 दिन में ही मोदी को लेकर बदल गए ट्रंप के दावे**

नई दिल्ली. भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर हाल ही में अमेरिका की विदेश नीति पर अपनी स्थिति स्पष्ट की थी। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में कहा था दुनिया यहां तक की अपने देश के साथ डील करने का उनका तरीका काफी अलग है। जयशंकर ने यह भी कहा था कि विदेश नीति इस तरह खुलेआम नहीं होती है, जिस तरीके से प्रेसिडेंट ट्रंप करते हैं। ट्रंप की विदेश नीति पर जयशंकर का यह बयान काफी सटीक बैठता है। ऐसा इसलिए

क्योंकि वह विदेश नीति की हर बात खुलेआम बोलते हैं। कई मौकों पर तो देखा गया है कि किसी मुद्दे पर उनकी और उनकी सरकार के स्टैंड में विरोधाभासी होता है।

बीते तीन दिनों में भारत को लेकर डोनाल्ड ट्रंप के तेवर तल्खी भरे देखे गए हैं। लेकिन उनकी ही सरकार के अधिकारी के बयान ट्रंप के दावों से मेल नहीं खाते हैं। आपको बता दें कि 6 जनवरी 2026 को राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर अपने पुराने अंदाज में प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने संबंधों का जिक्र किया। ट्रंप ने दावा किया कि भारत पर लगाए गए कड़े टैरिफ (शुल्कों) के बाद पीएम मोदी ने उन्हें फोन किया और बेहद सम्मानजनक लहजे में बातचीत की। ट्रंप ने यहां तक कह दिया कि मोदी ने उनसे पूछा, 'सर, क्या मैं आ सकता हूं?'

ट्रंप यह दिखाना चाहते थे कि उनकी टैरिफ नीति काम कर रही है और दुनिया के बड़े नेता उनके सामने झुककर समझौता करने को तैयार हैं। हालांकि तीन दिन भी नहीं बीते और उनके दावों की पोल उनकी सरकार से जुड़े लोगों ने खोल दिया। आपको बता दें कि ट्रंप का यह बयान तब आया जब भारत पहले से ही अमेरिकी सामानों पर 50% टैरिफ का सामना कर रहा है।

मोदी ने कॉल नहीं किया- सचिव का दावा

इसके ठीक तीन दिन बाद, 9 जनवरी को अमेरिका के वाणिज्य सचिव हावर्ड लुटनिक ने एक पॉडकास्ट में पूरी कहानी ही पलट दी। लुटनिक ने खुलासा किया कि भारत और अमेरिका के बीच एक बड़ा व्यापारिक समझौता होने वाला था, लेकिन वह केवल इसलिए टूट गया क्योंकि पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को फोन नहीं किया।

सरफराज लिस्ट-ए में सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले भारतीय

4 विकेट झटके।

- **गायकवाड ने VHT में सबसे ज्यादा शतकों की बराबरी की**

जयपुर में महाराष्ट्र के कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने गोवा के खिलाफ नाबाद 134 रन की शतकीय पारी खेली। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में 15वां शतक लगाया। इसी के साथ गायकवाड ने सबसे ज्यादा शतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। महाराष्ट्र के अंकित बवाने ने भी 15 शतक लगाए हैं। इस मैच में महाराष्ट्र ने गोवा को 5 रन से हराया। जयपुर में खेले गए अन्य मैचों में हिमाचल प्रदेश ने सिक्किम को 9 विकेट से हराया। जबकि, छत्तीसगढ़ ने उत्तराखंड को 7 रन से हराया।

- **विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई से 20 बॉल पर 62 रन बनाए**
- **गायकवाड-जगदीशन के शतक**

मुंबई के बैटर सरफराज खान लिस्ट ए में सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने गुरुवार को विजय हजारे ट्रॉफी (VHT) में पंजाब के खिलाफ 15 बॉल पर हाफ सेंचुरी पूरी की। हालांकि, अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

जयपुर में खेले गए मुकाबले में पंजाब ने मुंबई पर एक रन की रोमांचक जीत दर्ज की। उसने 45.1 ओवर में सभी विकेट खोकर 216 रन बनाए। फिर मुंबई को 26.2 ओवर में 215 रन पर ऑलआउट कर दिया। मयंक मारकंडे और गुरनूर बरार ने 4-

यूपी लगातार 7 जीत से क्वार्टर फाइनल पहुंचा, एमपी भी टॉप-8 में

ग्रुप ए से कर्नाटक और मध्यप्रदेश की टीमों ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जबकि ग्रुप बी से उत्तर प्रदेश और विदर्भ की टीमें टॉप-8 में पहुंचीं। यूपी ने अपने सभी लीग मैच जीते, जबकि विदर्भ ने 7 में से 5 जीत हासिल की।

इंसानी ब्लड बैग में मिला हजार लीटर बकरी का खून

- **रेड में खुलासे से हड़कंप; कहां का मामला?**

हैदराबाद. तेलंगाना के हैदराबाद से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां काचीगुडा इलाके में एक इंपोर्ट-एक्सपोर्ट फर्म पर रेड के दौरान कुछ ऐसा मिला है, जिसे देख अधिकारी हैरान हैं। जानकारी के मुताबिक यहां ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (DCA) की रेड में अधिकारियों को लगभग 1,000 लीटर जानवरों का खून मिला है।

यह खून बकरियों और भेड़ों से गैर-कानूनी तरीके से इकट्ठा किया गया था और इंसानों का खून रखने के लिए बने ब्लड बैग में पैक किया गया था। Wion न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक सेंट्रल ड्रग कंट्रोल अधिकारियों ने हैदराबाद पुलिस और राज्य के ड्रग कंट्रोल अधिकारियों के साथ मिलकर गुप्त सूचना के आधार पर यह रेड की थी। इस दौरान उन्होंने इंसानों के इस्तेमाल के लिए बने ब्लड बैग में जानवरों का खून भरा हुआ देख सीनियर अधिकारी भी हैरान रह गए। बकरी के खून के अलावा परिसर में खून की पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाली कुछ अत्याधुनिक मशीनें भी मिली हैं। रेड टीम को एक ऑटोक्लेव मशीन, एक लैमिनार एयर फ्लो यूनिट, 110 भरे हुए ब्लड बैग और लगभग 60 खाली ब्लड बैग भी मिले।

प्रेमी ने प्रेमिका की मांग भरी फिर एक ही दुपट्टे से दोनों ने लगाई फांसी

हरदोई. हरदोई से प्रेम-प्रसंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जातीय बंधन के चलते शादी में नाकाम प्रेमी ने पहले प्रेमिका की मांग भरी और फिर पेड़ पर एक ही दुपट्टे से दोनों ने फांसी लगाकर जान दे दी। दोनों के शव शुक्रवार सुबह गांव किनारे पेड़ से लटके मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल के पास सिंदूर की डिब्बी मिली। लड़की की मांग में भी सिंदूर लगा था। टड़ियांवा थाना क्षेत्र के गांव में शुक्रवार को पेड़ पर एक ही दुपट्टे से फांसी के फंदे पर लटके प्रेमी युगल के शव देख सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पेड़ से नीचे उतरवाया। दोनों युवक और युवती उसी गांव के रहने वाले थे।

FIR नहीं हुई तो पुलिसकर्मी की बाइक चुराकर भागा

तिरुवनंतपुरम. केरल में शिकायत दर्ज कराने तिरुवनंतपुरम नगर पुलिस कमिश्नर के कार्यालय में आया एक व्यक्ति अधिकारी की मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गया। सीनियर पुलिस ऑफिसर ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान अमल सुरेश के रूप में हुई है, जिसे एक अधिकारी की बाइक चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उक्त अधिकारी ने गुरुवार को ड्यूटी पर आने से पहले अपनी मोटरसाइकल आयुक्त कार्यालय में खड़ी की थी।

पुलिस के अनुसार, यह घटना दोपहर करीब 1 बजे हुई। उन्होंने बताया कि जब अधिकारी कार्यालय पहुंचे और अपनी मोटरसाइकिल खड़ी की। जल्दबाजी में वह अपना बैग वाहन पर ही भूल गए, जिसमें चाबी रखी हुई थी। जब अधिकारी दोपहर करीब 3 बजे वापस लौटे, तो बाइक गायब थी। पुलिस ने बताया कि परिसर के सीसीटीवी फुटेज में सुरेश को वाहन ले जाते हुए देखा गया। इसके बाद, छावनी पुलिस ने शिकायत के आधार पर इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत चोरी का मामला दर्ज किया।

दुर्घटना में घायलों को कब से मिलेगा कैशलेस इलाज!

- **गडकरी ने बताया; क्या है स्कीम**

नई दिल्ली. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए नकद-रहित उपचार योजना की औपचारिक शुरुआत करेंगे। यह योजना किसी भी श्रेणी की सड़क पर मोटर वाहन के उपयोग से होने वाली सभी सड़क दुर्घटनाओं पर लागू होगी। जानते हैं इस योजना के बारे में।

क्या है योजना

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग

मंत्रालय के अनुसार, सड़क दुर्घटना में घायल होने वाले किसी भी व्यक्ति को देशभर के चुनिंदा अस्पतालों में मुफ्त इलाज मिलेगा। इस योजना के तहत, दुर्घटना होने के 7 दिनों के अंदर घायल व्यक्ति 1.5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज कराने का हकदार होगा।

नितिन गडकरी ने क्या कहा...

गडकरी ने यहां राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों की वार्षिक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद संवाददाताओं से कहा, 'यह योजना सड़क दुर्घटनाओं में समय पर चिकित्सा सहायता न मिलने से होने वाली मौतों को कम करने के उद्देश्य से लाई जा रही है।'

इस बैठक में सड़क सुरक्षा, यात्रियों की सुविधा, व्यापार सुगमता और वाहन नियमन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की गई। मोटर वाहन के उपयोग से होने वाली किसी भी सड़क दुर्घटना का शिकार व्यक्ति इस योजना के प्रावधानों के अनुरूप 'कैशलेस' उपचार का हकदार होगा।

आयुष्मान से होगी अलग

सरकार ने कहा है कि AB-PMJAY यानी आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के दायरे में नहीं आती है। बीमित मोटर वाहनों के अलावा अन्य मोटर वाहनों द्वारा सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित मामलों के लिए केन्द्र सरकार द्वारा बजटीय सहायता प्रदान की जाएगी। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान बीमित मामलों के अलावा अन्य के लिए योजना के तहत 272 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

रेप और धर्मांतरण का आरोपी KGMU डॉ. रमीज गिरफ्तार

लखनऊ. लखनऊ केजीएमयू के रेजीडेंट डॉक्टर रमीज को दुष्कर्म और धर्मांतरण के प्रयास के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी पर पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस का दावा है कि मुखबिर की सूचना पर सिटी रेलवे स्टेशन के पास से उन्हें पकड़ा गया।डॉक्टर रमीज हुसैनाबाद स्थित फ्लैट से कुछ सामान निकालने आया था। फ्लैट के पास से पुलिस ने दबोचा।

इससे पहले दिन में केजीएमयू में शादी का झांसा देकर यौन शोषण, गर्भपात कराने के आरोपी जूनियर रेजिडेंट डॉ. रमीज उद्दीन नायक पर ऐक्शन हुआ। डॉक्टर रमीज का दाखिला रद्द होगा, वह आगे की पढ़ाई नहीं कर पाएगा। इसके लिए केजीएमयू प्रशासन की तरफ से डीजीएमई को आज पत्र भेजा जाएगा। यह जानकारी केजीएमयू की कुलपति प्रो, सोनिया नित्यानंद ने दी है। हालांकि केजीएमयू में धर्मांतरण के प्रयास के आरोपी पैथोलॉजी विभाग के रेजिडेंट डॉक्टर को कथित रूप से बचाने वाले मददगारों की जानकारी सामने नहीं आ सकी है। जांच के दौरान दो प्रोफेसरों की भूमिका संदेह के घेरे में बताई जा रही थी, उस पर भी केजीएमयू प्रशासन की तरफ से अभी कुछ कहा नहीं गया है और न ही उन्हें क्लीनचिट दी गई।

संक्षेप...

हाजी सालिम कुरैशी पर चाकू से हमला

मुंबई. मुंबई मनपा चुनाव प्रचार के दौरान मुंबई के बांद्रा इलाके में सनसनीखेज घटना सामने आई है। शिवसेना के उम्मीदवार हाजी सालिम कुरैशी पर प्रचार के दौरान अज्ञात हमलावर ने चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना बांद्रा के ज्ञानेश्वर नगर इलाके की बताई जा रही है, जहां हाजी सालिम कुरैशी अपने समर्थकों के साथ घर-घर जाकर चुनाव प्रचार कर रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति ने अचानक उन पर हमला कर पेट में चाकू से वार किया और मौके से फरार हो गया। हमले के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

15 जनवरी को मनपा चुनाव वाले शहरों में सार्वजनिक अवकाश

मुंबई. महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को घोषणा की कि 15 जनवरी यानी बृहस्पतिवार को 29 महानगरपालिकाओं में आने वाले उन क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा, जहां निकाय चुनाव के लिए मतदान होना है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नगर निकाय क्षेत्र में आने वाले सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालयों, निगमों, बोर्डों, सार्वजनिक उपक्रमों, बैंकों और केंद्र सरकार के कार्यालयों में यह अवकाश रहेगा।

निर्वाचन आयोग ने कहा कि ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) की व्यवस्था सहित सभी प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और जनता से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया है। एक अलग आदेश में राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने निर्देश दिया कि पर्याप्त संख्या में मतदान और मतगणनाकर्मियों की नियुक्ति की जाए और सभी संबंधित अधिकारी समय पर आवश्यक प्रशिक्षण पूरा करें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वाघमारे ने यह निर्देश छह और सात जनवरी को आयोजित चुनाव समीक्षा बैठकों के दौरान जारी किए।

इन बैठकों में आयोग के सचिव सुरेश काकाणी, पुलिस महानिरीक्षक मनोजकुमार शर्मा सभी 29 महानगर पालिकाओं के आयुक्त, पुलिस आयुक्त और जिला पुलिस अधीक्षक भी उपस्थित थे।

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, उल्हासनगर, कल्याण-डोंबिवली, भिवंडी-निजामपुर, मीरा-भायंदर, वसई-विरार, पनवेल, नासिक, मालेगाव, अहिल्यानगर, जलगाव, धुले, पुणे, पिंपरी-चिंचवड, सोलापुर, कोल्हापुर, इचलकरंजी, सांगली-मिराज-कुपवाड, छत्रपति संभाजीनगर, नांदेड़-वाघाला, परभणी, जालना, लातूर, अमरावती, अकोला, नागपुर और चंद्रपुर में मतदान होने हैं।

अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे मतदान और मतगणना की सुचारू प्रक्रिया सुनिश्चित करें, मतदान केंद्रों पर की गई व्यवस्थाओं से कर्मचारियों को सभी अवगत कराया जाए और मतदाताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरतें।

आयोग ने कहा कि मतदान केंद्रों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति, पेयजल और शौचालय की सुविधा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

प्लास्टिक व चाइनीज मांझे के विरुद्ध ठाणे मनपा ने की सख्त कार्रवाई

■ 6 दिनों में 53,500 रुपये का जुर्माना

ठाणे. पतंग उड़ाने के लिए इस्तेमाल होने वाले चाइनीज मांझा, चाइनीज रस्सी और नायलॉन और प्लास्टिक (सिंथेटिक) से बने आर्टिफिशियल मांझे मानव जीवन, पक्षियों और पर्यावरण के लिए बेहद खतरनाक होने के कारण, राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेश के अनुसार ठाणे मनपा क्षेत्र में ऐसे मांझे की बिक्री, उत्पादन, भंडारण और उपयोग पर प्रतिबंध लगाए गए हैं।

इसके विरुद्ध में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के निर्देशानुसार, प्लास्टिक, चाइनीज और सिंथेटिक मांझे के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है और इस कार्रवाई के तहत, 6 दिनों में कुल 856 प्रतिष्ठानों का दौरा किया गया है, 39.2 किलोग्राम प्लास्टिक और 5.5 किलोग्राम चाइनीज मांझा जब्त किया गया है और इस कार्रवाई के तहत कुल 53,500 रुपये का जुर्माना वसूला गया है,यह मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान ने बताया। चीनी मांझा बायोडिग्रेडेबल नहीं होने के कारण यह जल निकासी व्यवस्था, नदियों, नालों और जलाशयों को नुकसान पहुंचाता है। साथ ही, अगर जानवर ऐसा मांझा निगल लें, तो दम घुटने से उनकी मौत हो सकती है। यह एक विद्युत कंडक्टर है, यह बिजली की लाइनों और सबस्टेशनों पर दबाव डालता है, जिससे बिजली गुल होने, दुर्घटनाएं होने और जानमाल के नुकसान की संभावना बनती है। इसे रोकने के लिए, ठाणे मनपा ने सहायक आयुक्त स्तर पर सतर्कता दल गठित किए हैं और प्रभाग समिति के आधार पर प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करना शुरू कर दिया है। यह कार्रवाई अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे के निर्देशानुसार प्रदूषण नियंत्रण विभाग और घनकचरा प्रबंधन विभाग द्वारा अमल में लाई जा रही है।प्रतिष्ठान मालिक और नागरिक प्रतिबंधित चीनी मांझा, चीनी रस्सी, नायलॉन या प्लास्टिक का नकली मांझा न खरीदें और न ही उसका उपयोग करें। इस बारे में पुलिस व्यवस्था को भी सूचित कर दिया गया है।

घोडबंदर मार्ग पर सड़क दुर्घटना में चार घायल, 11 वाहन क्षतिग्रस्त

ठाणे. ठाणे में घोड़बंदर रोड स्थित गायमुख इलाके में शुक्रवार को सुबह अचानक एक कंटेनर अनियंत्रित होकर 11 वाहनों से टकरा गया। इस घटना में 4 लोग घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलने के बाद रेस्क्यू और इमरजेंसी टीम, रीजनल डिज़ास्टर मैनेजमेंट सेल (आरडीएमएस) और फायर ब्रिगेड के साथ, रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए एक्सीडेंट की जगह पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल टाईटन अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटा दिया गया है, इसके बाद अब यहां यातायात सुचारु हो गया है। इस घटना की छानबीन कासार वडवली पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है।

ठाणे नगर निगम के प्रवक्ता ने बताया कि आज सुबह करीब 7 बजे टाटा कंपनी का एक कंटेनर घोड़बंदर रोड पर गायमुख जकात नाका के पास कंट्रोल खो बैठा और सामने से आ रहे 11 वाहनों से टकरा गया। इस घटना के बाद कंटेनर का ड्राइवर मौके से भाग गया। इस हादसे में चार लोग घायल हुए हैं।

घायलों में रिक्शा ड्राइवर शिवकुमार यादव (56) के सिर में गंभीर चोट आई है, जबकि रिक्शा में सवार तस्कीन शेख (45) और अनीता पेरवाल (45) के चेहरे पर हल्की चोटें आई हैं। साथ ही, कार ड्राइवर रामबली बाबूलाल (22) को पीठ में गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों को ओवला के टाइटन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे में होंडा सिटी, वैगनर, अर्टिगा, महिंद्रा, इनोवा, डिजायर, ब्रेज़ा, फोर्ड कार और ऑटो रिक्शा समेत कुल 11 गाडिय़ां डैमेज हुईं हैं। कुछ गाडिय़ां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुईं और कई गाडियों के आगे-पीछे के हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं। कासार वडवली पुलिस स्टेशन की टीम फरार कंटेनर ड्राइवर की तलाश कर रही है।

नौपाड़ा प्रभाग समिति ने मतदान अधिकार ऐप को बढ़ावा देने के लिए किया अभियान

ठाणे. राज्य चुनाव आयोग द्वारा बनाया गया वोटिंग अधिकार ऐप आज नौपाड़ा वार्ड कमेटी में बड़े पैमाने पर फैलाया गया। इसका मकसद लोकतंत्र को ज़्यादा कुशल, पारदर्शी और आम नागरिकों के लिए सुलभ बनाना है।मनपा आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव के मार्गदर्शन में,उपायुक्त और नोडल अधिकारी मिताली संचेती के साथ मिलकर और नौपाड़ा-कोपरी प्रभाग समिति की चुनाव निर्णय अधिकारी प्रज्ञा सावंत की पहल पर, नौपाड़ा प्रभाग समिति ने एक मज़बूत और असरदार जन-जागरूकता अभियान चलाया है। इस अभियान को नागरिकों से तुरंत रिस्पॉन्स मिल रहा है, और डिजिटल मीडिया की मदद से सीधे मतदाताओं तक पहुंचने की यह पहल नागरिकों का ध्यान खींच रही है।यह ऐप चुनाव प्रक्रिया के बारे में सटीक, अपडेटेड और भरोसेमंद जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध कराने के लिए बनाया गया है।मतदाता सूची चेक करना, पोलिंग स्टेशन की जानकारी,मतदान की तारीख और समय, उम्मीदवार की जानकारी और चुनाव से जुड़ी ज़रूरी सूचनाएं, ये सभी इस ऐप के ज़रिए आसानी से मिल जाती हैं। यह ऐप विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, पहली बार मतदान करने वालों और व्यस्त नागरिकों के लिए उपयोगी है।नौपाड़ा प्रभाग समिति द्वारा कार्यान्वित इस अभियान के तहत, डोर-टू-डोर मार्गदर्शन, सूचना बोर्ड, बैनर, चौराहों पर पोस्टर और लाइव प्रदर्शन के माध्यम से ऐप को डाउनलोड करने और उपयोग करने के तरीके के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। खारकर अली, डॉ। बाबासाहेब आंबेडकर रोड और विकास प्लम एक हॉर्न के माध्यम से ऊंची आवाज में मतदान के अधिकार ऐप को प्रसारित कर रहे थे। शिक्षिका चंद्रिका पालन स्वीप टीम के साथ नागरिकों के साथ बातचीत कर रही हैं और प्रभावी रूप से यह संदेश दे रही हैं कि "हर वोट मायने रखता है" ।स्थानीय नागरिकों ने भी इस पहल का स्वागत किया है, और कई लोगों ने अपनी भावना व्यक्त की है कि ऐप ने मतदान के संबंध में भ्रम को दूर किया है। "पहले, हमें जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न स्थानों पर पूछताछ करनी पड़ती थी, अब सभी जानकारी मोबाइल पर उपलब्ध है," नागरिकों ने कहा। नौपाड़ा प्रभाग समिति की पहल से यह साफ़ है कि मतदान राइट्स ऐप सिर्फ़ टेक्नोलॉजी तक सीमित नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की एक भरोसेमंद कड़ी बन रहा है। आने वाले ठाणे मनपा चुनावों को देखते हुए, इस अभियान को और बड़े पैमाने पर लागू किया जाएगा।

चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की तरफ से

पोस्टल वोटिंग को अच्छा प्रतिसाद

ठाणे. राज्य की सभी मनपाओं के चुनाव एक ही दिन होने की वजह से, ठाणे मनपा ने चुनाव ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए पोस्टल वोटिंग की खास सुविधा उपलब्ध कराई है। आयुक्त और चुनाव निर्णय अधिकारी सौरभ राव ने बताया कि इस सुविधा को चुनाव ड्यूटी पर तैनात सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

ठाणे मनपा में 15 जनवरी को मतदान होगी और मतों की गिनती 16 जनवरी को होगी। इन दोनों दिनों में चुनाव के काम के लिए बड़ी संख्या में सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को लगाया गया है। ठाणे मनपा के 33 वार्डों में कुल 2013 पोलिंग स्टेशन हैं और चुनाव के लिए रिजर्व कर्मचारियों समेत कुल 11500 कर्मचारियों को लगाया गया है।यह सभी कर्मचारी विभिन्न प्रतिष्ठानों में कार्यरत हैं और इनके नाम मुंबई, डोंबिवली, कल्याण, बदलापुर, नेरुल, पनवेल आदि की मतदाता सूची में दर्ज हैं। चुनाव ड्यूटी के कारण ये कर्मचारी मतदान करने से न चूकें, इसके लिए ठाणे मनपा प्रशासन ने डाक मतदान की व्यवस्था की है और कर्मचारी बड़ी संख्या में इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं।

चुनाव के दिन ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने भी डाक मतपत्र स्वीकार किए हैं। कर्मचारियों ने निर्धारित प्रारूप में डाक मतपत्र भरकर अपने निवास स्थान पर वार्ड समिति द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारियों को जमा कर दिए हैं। डाक मतदान के नोडल अधिकारी और उपायुक्त दिनेश तायडे ने कहा कि इस प्रक्रिया से कर्मचारियों के मताधिकार बरकरार रहेंगे।राज्य में विभिन्न महानगरपालिकाओं के चुनाव एक ही समय पर घोषित होने से कई कर्मचारी दूसरे मनपा क्षेत्रों में मतदान कर रहे हैं। इस बारे में तायडे ने यह भी बताया कि संबंधित कर्मचारियों के लिए वोट करना आसान बनाने के लिए पोस्टल वोटिंग के लिए खास इंतज़ाम किए गए हैं।ठाणे मनपा ने उन लोगों से अपील की है जिन्हें अभी तक पोस्टल बैलेट नहीं मिले हैं,वह ठाणे मनपा की वार्ड कमेटी द्वारा नियुक्त चुनाव निर्णय अधिकारी के ऑफिस से ले लें। इस सुविधा से चुनाव ड्यूटी पर तैनात अधिकारी और कर्मचारी पोस्टल बैलेट के ज़रिए अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे।

नवी मुंबई मनपा के इस वार्ड में नहीं होगा चुनाव

मुंबई. बॉम्बे हाई कोर्ट ने नवी मुंबई नगर निगम के वार्ड 17ए (वाशी) में आगामी चुनाव पर अंतरिम रोक लगा दी. साथ ही कोर्ट ने एक निर्वाचन अधिकारी की ओर से बीजेपी उम्मीदवार के नामांकन को खारिज करने के आदेश पर भी रोक लगा दी. बीजेपी नेता नीलेश भोजने का नामांकन फॉर्म निर्वाचन अधिकारी ने महाराष्ट्र नगर निगम अधिनियम की धारा 10(1डी) के तहत इस आधार पर खारिज कर दिया कि उनकी संपत्ति पर अनधिकृत निर्माण हुआ था. मुख्य न्यायाधीश चन्द्रशेखर और जस्टिस गौतम अंखड की पीठ ने कहा, "निर्वाचन अधिकारी ने भोजने के नामांकन प्रपत्र को खारिज करके प्रथम दृष्टया शक्तियों का अवैध और मनमाना प्रयोग प्रदर्शित किया है".

अनुपस्थित चुनाव कर्मचारियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की कार्रवाई

अनुपस्थित कर्मचारी तुरंत हाजिर हों -आयुक्त सौरभ राव

ठाणे. मनपा के आम चुनावों की पृष्ठभूमि में, चुनाव कार्य के लिए नियुक्त कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के बावजूद ड्यूटी पर उपस्थित नहीं होने वाले कर्मचारियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की कार्रवाई शुरू की गई है, कमिश्नर और चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने कहा है।चुनाव एक आवश्यक और संवैधानिक प्रक्रिया है, और इसमें नियुक्त अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना अनिवार्य है। हालांकि, यह देखा गया है कि बार-बार निर्देश और कारण बताओ नोटिस के बावजूद कुछ कर्मचारी ड्यूटी पर उपस्थित नहीं हुए।इस मामले में, संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और संबंधित कानूनों के तहत आपराधिक कार्रवाई की जा रही है, और कमिश्नर ने यह भी चेतावनी दी है कि भविष्य में अपने चुनाव कर्तव्यों की उपेक्षा करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। यह बात आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने भी साफ की है।

स्कूली बच्चों के साथ आपत्तिजनक हरकत; मामला दर्ज

मुंबई. मुंबई के मलाड के मालवणी इलाके में 36 साल के एक आदमी को 14 से 15 साल की सात नाबालिग स्कूली लड़कियों के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने कथित तौर पर लड़कियों को घुमाने ले जाने का वादा करके बहलाया और फिर एक पब्लिक सड़क पर उनके साथ छेड़छाड़ की। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए छेड़छाड़ और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण एक्ट से जुड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और कुछ ही घंटों में आरोपी को पकड़ लिया।

पुलिस के मुताबिक, पीड़ितों में से एक, सांताक्रूज़ की 14 साल की लड़की जो मालवणी में पढ़ती है, सुबह करीब 7.30 बजे स्कूल के लिए घर से निकली थी। वह और उसकी क्लासमेट स्कूल के पास खड़ी थीं, तभी आरोपी उनके पास आया। इससे पहले कि लड़कियां कुछ समझ पातीं, उसने कथित तौर पर उनके करीब आकर उन्हें गले लगाया, अश्लील इशारे किए और सभी सात नाबालिगों के साथ छेड़छाड़ की। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर लड़कियों से उसी जगह पर रेगुलर मिलने को भी कहा और उन्हें अपनी कार में घुमाने ले जाने का वादा किया। इस घटना से डरी हुई लड़कियों ने शोर मचाया।

जिल्हा परिषद ठाणे
लघु पाटबंधारे विभाग

कार्यालय - स्केअर फिट होम्स, प्लॉट क्र. 106,107 एस.जी. बर्वे रोड, रोड नं. 22 टोयाटो शोरूम च्या बाजूला वागळे इस्टेट, एम. आय. डी. सी. ठाणे (प) .. 400601 Email:- mizpthane@gmail.com

जा.क्र. जि.प.लपा/ निवीदा / 12 / 2026 दि-09.01.2026
E-Tender Notice No.06/2025-26

मा. अतिरीक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिल्हा परिषद ठाणे हे E Tender Notice No.06 / 2025-26 व्दारे लघु पाटबंधारे विभाग, जिल्हा परिषद ठाणे यांचे कडील विविध योजनेअंतर्गत मंजूर 05 कामासांठी Online व्दारे खुल्या निविदा मागवित आहे.

1. सदरची पुर्णनिविदा प्रक्रिया ही ऑनलाईन पध्दतीने होणार आहे.
2. विस्तृत माहिती https://mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे.
3. सदरची निविदादिनांक 09-01-2026 रोजी सांयकाळी 18.00 वाजेपासून ते दिनांक 19.1.2026 रोजी सकाळी 10.00 पर्यंत ऑनलाईन पध्दतीने Download स्विकारण्यात येतील.
4. निविदापुर्व बैठक (Pre-bid) दिनांक 12.01.2026 रोजी दुपारी 3.00 वाजता मा. अतिरीक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिल्हा परिषद ठाणे यांचे दालनात आयोजित केली आहे.
5. दिनांक 19.01.2026 रोजी सकाळी 10.00 वाजेपर्यंत भरलेली निविदा दिनांक 19.01.2026 रोजी दुपारी 15.00 वाजता उघडण्यात येतील (शक्य झाल्यास)
6. शुध्दीपत्रका संबधीची माहिती https://mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर प्रसिध्द करण्यात येईल.

सही/-
जिल्हा जलसंधारण अधिकारी
लघु पाटबंधारे विभाग
जिल्हा परिषद ठाणे

शाहिद की 'ओ रोमियो' का पोस्टर हुआ आउट

■ फरवरी में होगी रिलीज

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर के फैंस के लिए अच्छी खबर है। फरवरी 2026 में उनकी फिल्म आने वाली है। इस फिल्म का नाम 'ओ रोमियो' है। शुक्रवार के दिन शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी इस आपकमिंग फिल्म का पोस्टर शेयर किया है। इसके साथ ही इसकी रिलीज डेट भी बताई है। आइए आपको इस फिल्म के बारे में सारी जानकारी देते हैं।

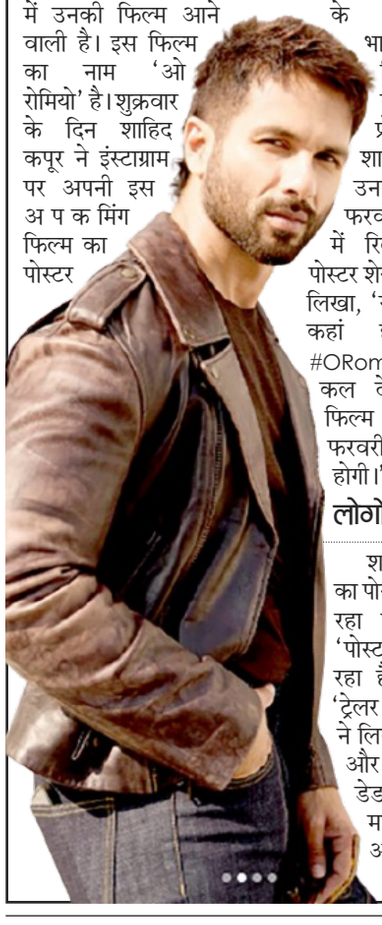

शाहिद कपूर की इस आपकमिंग फिल्म को 'कमीने' के डायरेक्टर विशाल भारद्वाज ने डायरेक्ट किया है। वहीं साजिद नाडियाडवाला ने इसे प्रोड्यूस किया है। शाहिद कपूर ने बताया कि उनकी ये फिल्म 13 फरवरी के दिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उन्होंने पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'रोमियो ओ रोमियो तुम कहां हो ओ रोमियो! #ORomeo की पहली झलक कल देखने मिलेगी! वहीं फिल्म सिनेमाघरों में 13 फरवरी 2026 को रिलीज होगी।'

लोगों का रिएक्शन

शाहिद कपूर की फिल्म का पोस्टर लोगों को पसंद आ रहा है। एक ने लिखा, 'पोस्टर को धमाकेदार लग रहा है।' दूसरे ने लिखा, 'ट्रेलर का इंतजार है।' तीसरे ने लिखा, 'विशाल भारद्वाज और शाहिद कपूर साथ में, डेडली कॉम्बिनेशन है। मजा आएगा। कुछ अच्छा आने वाला है।'

लोकल ट्रेन में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

मुंबई. मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेन में गुरुवार शाम अचानक भीषण आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि वे दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं। यह घटना कुर्ला और विद्याविहार रेलवे स्टेशन के बीच शाम करीब 8:30 बजे हुई। राहत की बात यह रही कि जिस लोकल ट्रेन में आग लगी, वह उस वक्त खाली थी, इसलिए किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

जानकारी के मुताबिक, कुर्ला और विद्याविहार स्टेशन के बीच कचरा ले जा रही लोकल ट्रेन के दूसरे कोच में अचानक आग भड़क उठी। आग लगते ही मध्य रेलवे की लोकल सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो गईं और कई ट्रेनों को रास्ते में ही रोकना पड़ा। आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड को बुलाया गया, वहीं स्थानीय लोगों ने भी बुझाने में मदद की।

स्थिति को नियंत्रित करने और किसी बड़े हादसे से बचने के लिए रेलवे प्रशासन ने घाटकोपर और सायन स्टेशन के बीच ओवरहेड वायर की बिजली सप्लाई पूरी तरह बंद कर दी। इस वजह से सेंट्रल रेलवे की सेवाएं कुछ समय के लिए ठप रहीं और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि, घटना के असर के चलते कई लोकल ट्रेनें अब भी देरी से चल रही हैं। रेलवे प्रशासन आग लगने के कारणों की जांच में जुटा है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099